भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4208

दिनांक 18.03.2026 को उत्तर देने के लिए

असम में आकांक्षी जिलों का प्रदर्शन

4208. **श्री गौरव गोगोई:**

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास तथा मूलभूत अवसंरचना सहित प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत असम में आकांक्षी जिलों के प्रदर्शन का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) इन जिलों की रैंकिंग और वृद्धिशील प्रगति को मापने के लिए अपनाए गए मानदण्डों और कार्यप्रणाली का ब्यौरा क्या है;

(ग) असम में आकांक्षी जिलों को आवंटित और जारी की गई निधि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और ऐसी निधि के उपयोग में राज्य सरकार और जिला प्रशासनों को किस प्रकार की छूट प्रदान की गई है;

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान असम में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले और सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले आकांक्षी जिले कौन-कौन से हैं और किन-किन मानदंडों के आधार पर उनकी ऐसी पहचान की गई है और लगातार कम प्रदर्शन के क्या कारण हैं;

(ङ) पिछड़ रहे जिलों में कमियों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं; और

(च) क्या ऐसे उपायों की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए कोई स्वतंत्र मूल्यांकन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) ने असम के 7 आकांक्षी ज़िलों सहित 112 ज़िलों के प्रदर्शन की समय-समय पर निगरानी करने के लिए 'चैंपियंस ऑफ़ चेंज' (सीओसी) डैशबोर्ड विकसित किया है। यह निगरानी 5 व्यापक सामाजिक-आर्थिक विषयों यथा - स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास, और मूलभूत अवसंरचना के तहत 49 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) पर आधारित समग्र अंकों का इस्तेमाल करके की जाती है। एडीपी के तहत सभी 112 ज़िलों का प्रदर्शन, इसकी शुरुआत से लेकर अब तक, सीओसी डैशबोर्ड (http://championsofchange.gov.in/site/coc-home/) पर उपलब्ध है, जिसे सार्वजानिक रूप से देखा जा सकता है।

(ख) एडीपी के तहत, प्रत्येक ज़िले की निगरानी 49 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर की जाती है, जिनमें उपर्युक्त (क) में उल्लिखित 5 क्षेत्रों में 81 डेटा बिंदु को शामिल करना आवश्यक होता है। इन क्षेत्रों का भारांक अलग-अलग होता है – स्वास्थ्य और पोषण, और शिक्षा प्रत्येक को 30 % भारांक के साथ सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। कृषि और जल संसाधन को 20% भारांक दिया गया है, जबकि बाकी दो क्षेत्रों – वित्तीय समावेशन और कौशल विकास, और मूलभूत अवसंरचना – को 10% भारांक दिया गया है। प्रत्येक तिमाही में, ज़िले सीओसी डैशबोर्ड पर अपनी प्रगति दर्ज करते हैं, और इन क्षेत्रों में ज़िले द्वारा दिखाए गए तिमाही-वार क्रमिक सुधार ("डेल्टा रैंकिंग") के आधार पर उन्हें रैंक दिया जाता है। सभी आकांक्षी ज़िलों द्वारा शुरुआत से लेकर अब तक प्राप्त किया गया तिमाही-वार रैंक भी 'चैंपियंस ऑफ़ चेंज' पोर्टल (http://championsofchange.gov.in/site/coc-home/) पर उपलब्ध है।

(ग) विगत पाँच वर्षों में असम के आकांक्षी ज़िलों को स्वीकृत और जारी की गई धनराशि का विवरण **अनुलग्नक ।** में दिया गया है। प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण कमियों को दूर करने के लिए, 'चुनौती मार्ग ' के माध्यम से अतिरिक्त आवंटन की भी परिकल्पना की गई है। प्रत्येक तिमाही में, ज़िलों का मूल्यांकन तिमाही प्रगति के आधार पर किया जाता है और समग्र रूप से तथा पाँचों

क्षेत्रों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले ज़िलों की पहचान की जाती है, और उनके अच्छे प्रदर्शन को सराहा और प्रोत्साहित किया जाता है। समग्र रूप से प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले ज़िलों को क्रमशः 10 करोड़ रुपए और 5 करोड़ रूपए दिए जाते हैं। पाँचों क्षेत्रों में से प्रत्येक में पहले स्थान पर आने वाले को 3 करोड़ रूपये का पुरस्कार दिया जाता है। उपर्युक्त प्रदर्शन अनुदान के आधार पर, ज़िले अपनी महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशिष्ट परियोजनाएं शुरू करते हैं।

(घ) और (ङ) प्रत्येक तिमाही में, ज़िलों की तिमाही प्रगति के आधार पर उनका मूल्यांकन किया जाता है और उनकी रैंकिंग की जाती है। विगत पाँच वर्षों में असम के आकांक्षी ज़िलों की रैंकिंग **अनुलग्नक II** में दी गई है। जैसा कि उपर्युक्त (ग) में उल्लिखित है, प्रत्येक तिमाही में, ज़िले ऊपर (क) में बताए गए क्षेत्रों के 49 केपीआई में अपनी प्रगति दर्ज करते हैं और प्रदर्शन के आधार पर उन्हें रैंक दिया जाता है। ज़िलों की रैंकिंग, तिमाही में इन केपीआई के तहत हुई वास्तविक प्रगति पर आधारित होती है। इससे ज़िलों को उन क्षेत्रों में अपना अच्छा प्रदर्शन करने की कार्यनीतियों पर ध्यान केन्द्रित करने में मदद मिलती है, जिनमें उनका रैंक निम्न होता है।

(च) आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) की कार्यप्रणाली और प्रभावशीलता के लिए दो स्वतंत्र मूल्यांकन किए गए हैं:

(i) यूएनडीपी ने इस कार्यक्रम का व्यापक मूल्यांकन किया।
(ii) प्रतिस्पर्धात्मकता मूल्यांकन संस्थान (हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के प्रोफेसर माइकल पोर्टर के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक टीम) ने कार्यक्रम का विस्तृत मूल्यांकन किया

दिसंबर 2020 में पेश की गई यूएनडीपी की रिपोर्ट, जिसका शीर्षक "आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम: एक मूल्यांकन था, ने इस बात की पुष्टि की कि अलग-अलग पहलुओं, जैसे कि क्षेत्र -वार विकास, अभिसरण के ज़रिए बेहतर शासन, और प्रतिस्पर्धी संघवाद के ज़रिए तीव्र विकास में काफ़ी प्रगति हुई। इस प्रगति के पीछे कई कारक रहे हैं, जिनमें मज़बूत नेतृत्व, तत्क्षण निगरानी, डेटा-आधारित निर्णय लेना और क्षमता निर्माण शामिल हैं। इसके अलावा, प्रतिस्पर्धात्मकता मूल्यांकन संस्थान ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि एडीपी में शामिल लगभग सभी ज़िलों ने शुरुआती स्तर की तुलना में विकास के प्रमुख पैमानों पर सुधार दिखाया है; इस कार्यक्रम ने सबसे ज़्यादा वंचित क्षेत्रों को लक्षित करके सामाजिक प्रभाव और न्याय को आगे बढ़ाने में भी सफलता हासिल की है। डेल्टा रैंकिंग प्रणाली ने एक प्रतिस्पर्धी और गतिशील संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है, जिसने विगत तीन वर्षों में निम्न प्रदर्शन करने वाले कई ज़िलों को अपनी स्थिति सुधारने के लिए प्रेरित किया है।

*****

अनुलग्नक -I

असम में आकांक्षी जिलों का प्रदर्शन के संबंध में दिनांक: 18.03.2026 को श्री गौरव गोगोई द्वारा पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4208 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

विगत पांच वर्षों के दौरान असम में आकांक्षी जिलों को स्वीकृत और जारी राशि का ब्यौरा

वित्त वर्ष	जिला	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)	जारी राशि (करोड़ रु. में)
वित्त वर्ष 2021-22	बक्सा	7.01	7.01
	बारपेटा	10.01	10.01
	दारंग	1.01	1.01
	धुबरी	3.01	3.01
	ग्वालपाड़ा	0.01	0.01
	हैलाकांडी	15.16	14.96
	उदालगुड़ी	14.99	14.99
वित्त वर्ष 2022-23	बक्सा	7.25	7.25
	बारपेटा	3.00	3.00
	दारंग	5.00	5.00
	धुबरी	2.20	2.20
	ग्वालपाड़ा	4.96	4.96
	हैलाकांडी	3.00	3.00
	उदालगुड़ी	4.63	4.63
वित्त वर्ष 2023-24	हैलाकांडी	2.00	2.00
वित्त वर्ष 2024-25	बक्सा	3.64	1.84
	बारपेटा	2.04	1.05
	दारंग	3.05	1.55
	धुबरी	0.05	0.05
	ग्वालपाड़ा	5.05	2.55
	हैलाकांडी	0.05	0.05

	उदालगुड़ी	0.05	0.05
वित्त वर्ष 2025-26	**धुबरी**	1.00	0.50
कुल योग		**98.18**	**90.70**

अनुलग्नक - II

असम में आकांक्षी जिलों का प्रदर्शन के संबंध में दिनांक: 18.03.2026 को श्री गौरव गोगोई द्वारा पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4208 के भाग (घ) और (ङ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

<u>विगत पांच वर्षों के दौरान असम में आकांक्षी जिलों के रैंक</u>

वर्ष (रैंकिंग माह)	जिले का नाम	रैंक
2021 (सितम्बर)	हैलाकांडी	15
	ग्वालपाड़ा	39
	दारंग	51
	धुबरी	62
	बारपेटा	64
	उदालगुडी	107
	बक्सा	108
2022 (सितम्बर)	उदालगुडी	7
	बक्सा	24
	धुबरी	43
	हैलाकांडी	64
	दारंग	76
	बारपेटा	86
	ग्वालपाड़ा	98
2023 (सितम्बर)	ग्वालपाड़ा	45
	दारंग	60
	बारपेटा	65
	उदालगुडी	85
	धुबरी	102
	बक्सा	103
	हैलाकांडी	111
2024 (सितम्बर)	बारपेटा	22
	धुबरी	56

	उदालगुडी	61
	दारंग	63
	हैलाकांडी	71
	बक्सा	76
	ग्वालपाड़ा	109
2025 (सितम्बर)	बारपेटा	41
	उदालगुडी	50
	बक्सा	54
	ग्वालपाड़ा	69
	धुबरी	84
	हैलाकांडी	97
	दारंग	102